परिवर्तनकारी वर्ष: यामेन प्रतिभागियों की परमेश्वर और लोगों से मुलाकात

यामेन प्रतिभागी फेलिज़ार्डा अटान्सिया फिलिमोने (मोज़ाम्बिक) इगलेसिया क्रिस्टियाना मेनोनिटा डे कोलंबिया (मेनोनाइट चर्च ऑफ कोलंबिया) की 2017 की राष्ट्रीय युवा रिट्रीट में प्रभु भोज देते हुए। फोटो: नतालिया एड्रिया वाकाबस्तिदास

विज्ञप्ति जारी करने की तारीख: गुरूवार, 5 अक्टूबर, 2017

बगोटा, कोलंबिया – लावरे सेग्यूरा कहती हैं, ''सुसमाचार हम सब को जोड़ता है, चाहे हम किसी भी स्थान में निवास करते हों।'' सेग्यूरा को यह अनुभव यंग ऐनाबैपटिस्ट मेनोनाइट एक्चेंज नेटवर्क (यामेन) की सहायता से एक शिक्षिका और युवा सेविका के रूप में मिला, यामेन मेनोनाइट सेन्ट्रल कमेटी (एमसीसी) और मेनोनाइट वर्ल्ड कॉन्फ्रेंस (एमडब्ल्यूसी) का एक कार्यक्रम है जिसके तहत कोस्टारिका की मेनोनाइट प्रतिभागी को यह अवसर मिला कि वे 2016–2017 में एक वर्ष तक कम्बोडिया में सेवा कर सके।

वे आगे कहती हैं, ''मैं ऐसा आशा कर रही थी कि मैं उनकी बहुत सहायता करूंगी, परन्तु, इसके विपरीत, उन्होंने मेरी सबसे अधिक सहायता की।'' यामेन एक लम्बे अवकाश का ऐसा समय मात्र नहीं था जिसमें हम बीच बीच में सेवकाई देते रहें, परन्तु यह ''अधिकांशत: परिवर्तन की एक प्रक्रिया थी, जिसके लिए मैं अत्यंत अभारी हूँ। यह सरल नहीं था परन्तु मैंने अपने बारे में काफी कुछ सीखा और जीवन के प्रति मेरा नज़रिया बदल गया – अच्छे दृष्टिकोण में।''

मोज़ाबिक के फेलिज़ार्डा एटासिया फिलिमोने कहती हैं, ''मैंने भौतिक प्रतिफल की आशा किए बिना अपने पड़ोसियों से प्रेम रखना, प्रभु यीशु से प्रेम रखना, और समुदाय की सेवा करना सीखा।'' इस युवा ने कोलंबिया के सोआच्छा में मोन्टे होरेब मेनोनाइट चर्च के क्रेसियेन्डो जूंटोस में एक युवा सहायिका के रूप में अपनी सेवकाई दीं।

जीवन की कठिनाइयाँ हताशा की ओर ले जा सकती हैं, परन्तु पोडकास्ट्स के साथ मानागुआ, निकारागुआ में शान्ति के लिए यामेन कार्यक्रम में सेवा कार्य करने के द्वारा कोलंबिया मेनोनाइट ब्रदरन झोन एलेक्स मार्टिनेज लोजोनो को यह आशा मिली ''कि एक ऐसी कलीसिया है जो नस्ल, रंग, या वर्ग का भेद किए बिना लोगों की सेवा करती है।'' उन्होंने पहुनाई के विषय में गहराई से सीखा, और यह भी कि ''लोगों के बीच कोई अन्तर नहीं है; हम सब के साथ अच्छा व्यवहार किया जाता है।''

कार्यक्रम में प्रवेश लेने से पहले, फिलिमोने को ऐसा लगा था मानों उसने अपने विश्वास को खो दिया है। यामेन के द्वारा, ''मैं अपने जीवन में एक परिवर्तन की आशा कर रही हूँ; मैंने एक आन्तरिक शान्ति और आत्मिक उन्नति का अनुभव किया है।''

सेग्युरा ने एक भिन्न सांस्कृतिक पृष्ठभूमि में बिताए गए वर्ष में यह सीखा कि ''कठिन समयों में परमेश्वर पर विश्वास को अपनी

आशा का आधार बनाए। अच्छी और बुरी बातों के बीच, हम कुछ बनते जाते हैं और ये अनुभव अच्छे संस्मरण, भविष्य की कहानियों, और अच्छी शिक्षाओं का रूप ले लेंगे।''

फोनोम पेनह नामक स्थान में अपने गाँव की अर्थव्यवस्था के विकास के कार्यक्रम में कौशल में निपुण युवाओं के साथ सेवा में, ''मैंने यह जाना कि चेले बनाना और उनके साथ पहले, उस समय, और बाद में एक मार्गदर्शक और विश्वास में एक भाई या बहन के रूप में खड़े रहना कितना महत्वपूर्ण है।''

यामेन के माध्यम से सेवा करने के लिए विचार कर रहे युवाओं को आप क्या सुझाव देंगी?

फिलेमोने कहती हैं, ''हमेशा मुस्कुराते रहें, परमेश्वर के प्रेम के बारे में लोगों को बताएं . . . और अपने देश के बारे में बात करें।'' वह लोगों से कहती हैं कि यदि वे किसी विषय के बारे में न जानते हो तो इसके लिए शर्मिन्दा न हो, परन्तु दूसरों का सम्मान करें और उनसे सीखें, विशेष रूप से दूसरी संस्कृतियों के लोगों से। भविष्य में यामेन में भाग लेने वालों को ''परिवार और मित्रों के बीच में अपनी बातों को रखना चाहिए, और कलीसिया की युवा सभाओं में भाग लेना चाहिए। जब कभी आप को हताशा महसूस हो आप परमेश्वर की ओर देखें, किसी ऐसे मित्र को देखें जिस पर आप भरोसा कर सकते हैं और अपनी चिन्ताओं के बारे में बातचीत कर सकते हैं, ताकि आप अकेला महसूस न करें।''

फिलेमोने कहती हैं, ''पवित्र आत्मा के मार्गदर्शन पर इस रीति से भरोसा रखें जिससे कि यीशु की शिक्षाएं और जीवन, शान्ति की एकता और मेलमिलाप परीलक्षित होता हो।''

– डानियाले गोन्ज़ाले और कार्ला ब्राऊन

मेनोनाइट वर्ल्ड कॉंफ्रेंस और मेनोनाइट सेन्ट्रल कमेटी की संयुक्त विज्ञप्ति।

2017–2018 में भाग लेने वाले यामेन के इन प्रतिभागियों के लिए प्रार्थना करें:

नाम (देश का नाम)	कहाँ सेवारत:
जेसिका गोमेज़ (बाँग्लादेश)	जिम्बाब्वे
सारे र्यूक (कम्बोडिया)	जिम्बाब्वे
सीना लोंग (कम्बोडिया)	बोलविया
सोकुनथियुरी सामर्थ (कम्बोडिया)	भारत
सोलेब लोउन (कम्बोडिया)	मेक्सिको
साइरियाक डी जेनायसेम (काड)	बुरकीना फासो
डेमेरिस गुआज़ा (कोलंबिया)	नीकारागुआ
झोन फ्रेडी चोक पार्रा (कोलंबिया)	बोलविया
दीक्षा मसीह (भारत)	हाँडरस
एस्तर मसीह (भारत)	कोलंबिया
विक्टर मनोवा (भारत)	जाम्बिया
ब्लासियुस (बॉबी) हिमावान (इण्डोनेशिया)	कम्बोडिया
डेनियल (डेन्टे) तोबिंग (इण्डोनेशिया)	दक्षिण कोरिया

लोह चु (जुलियन) पेंग (इण्डोनशिया)	कोलंबिया
बिल ओडिनाय (केन्या)	कम्बोडिया
डायना ओनियांगो (केन्या)	उक्रेन
फीबे ओमुहिन्डा (केन्या)	कम्बोडिया
मीन योंग जुंग (दक्षिण कोरिया)	केन्या
डुआंगमाला छोनियालोउन (लाओस)	कम्बोडिया
बोहलोकोआ लीसिसा (लेसोस्थो)	इण्डोनेशिया
जोयस बीटन (मलाबी)	इण्डोनेशिया
सलोमी सवात्ज़की (मैक्सिको)	एल सेल्वाडोर
सराही गोन्साल्वेज़ (मैक्सिको)	इक्वाडोर
सान्तोज़ मार्टिन्स (मोज़ाम्बिक)	कोलंबिया
केयला मोराल्स (निकारागुआ)	बोलिविया
बेनार्ड इरियाउ (उगांडा)	नाइजीरिया
मयेन्ज़ा हानजुकुले (जाँम्बिया)	भारत